

नई दिल्ली (एजेंसी) । बिहार के बाहुबली नेता आनंद मोहन के ल से बाहर आने की सुचना से वहां की राजनीति गरमा गई है। उनकी रिहाई को लेकर कई नेताओं ने नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिहाई भिजापने से आनंद मोहन को लेकर अब तक कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बिहार के भाजपा नेता खुलकर आनंद मोहन का विरोध क्यों नहीं कर पा रहे हैं। सवाल यह भी पैदा हो रहा है कि आखिर नीतीश कुमार ने ऐसा क्यों किया?

दरअसल आनंद मोहन की रिहाई करारक नीतीश कुमार ने एक तीखे दो निशाने लगा दिए हैं। आनंद मोहन बिरादरी से राजपूत हैं। बिहार में राजपूत जहाँ आर्थिक रूप से बहुत मजबूत हैं वहीं राजनैतिक रूप से भी बहुत ज्यादा सक्रीय हैं। भले ही देश के किसी राज्य में जाति के आधार पर निर्णय न करने की बात की जाती हो, लेकिन बिहार में आज भी जाति और धर्म के कारण पर खूब वोटिंग होती है।